**आदेश 9, नियम 4 सि. प्र. सं. के अधीन आवेदन पत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में.............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

सादर प्रदर्शित करता है

1. यह कि ऊपर नोट किये गये मामले को तारीख..... ........... को सुनने के लिए नियत किया गया।
2. यह कि निवेदन किया जाता है कि आवेदक उस समय न्यायालय कक्ष के बाहर खड़ी थी जब मामले की पुकार करायी गयी और वह अपने अधिवक्ता को बुलाने गया लेकिन उसने अपने अधिवक्ता को यह सूचना नहीं दी कि वह हाजिर था और अपने अधिवक्ता को बुलाने जा रहा था।
3. यह कि उस समय से जब आवेदक न्यायालय कक्ष को वापस लौटा तब व्यतिक्रम में खारिज कर दिया गया।

**प्रार्थना**

यह इसलिए प्रार्थना की जाती है कि वाद को खारिजी का आदेश अपास्त कर दिया जाय और वाद को ऐसे निबन्धनों एवम् शर्तों पर दाखिल किये जाने के लिए प्रत्यावर्तित कर दिया जाय जैसा यह आदरणीय न्यायालय उपयुक्त एवम् ठीक समझे।

यह तद्नुसार प्रार्थना की जाती है।

**आवेदक**

**जरिये**

**अधिवक्ता**

**स्थान........ तारीख : .......**

**शपथपत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में.............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**शपथपत्र**

मै....पुत्र...................निवासी................... एतद्द्वारा निम्नलिखित रूप में सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान एवम् कथन करता हूँ।

1. यह कि मै इस मामले में..................हूँ और अतएव, इस शपथपत्र पर शपथ लेने में सक्षम हूँ।
2. यह कि साथ दिये जा रहे आवेदन पत्र की अन्तर्वस्तु सत्य एवम् सही है।

**शपथकर्ता**

**सत्यापन**

......में इस तारीख................... को यह सत्यापित किया गया कि ऊपर शपथपत्र की अन्तर्वस्तु मेरी जानकारी में सत्य एवम सही है।

**शपथकर्ता**

.

.

.

..

.

..

.